

एशियन ओपेन बिल स्टॉक पक्षी के संरक्षण की अनूठी पहल: वन विभाग ने ग्रामीणों के साथ मिलकर जगाई प्रकृति संरक्षण की अलख

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा वनमंडलाधिकारी प्रेमलता यादव के निर्देशानुसार एवं उपवनमंडलाधिकारी सूर्य कांत सोनी के मार्गदर्शन में करतला वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम कनकी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा एशियन ओपेन बिल स्टॉक (घोंघिला) एवं अन्य वन्यजीवों के संरक्षण को लेकर एक वृहत जनजागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, शिव-श्रद्धालु, युवा एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पूरे कार्यक्रम में वन्यजीव संरक्षण के प्रति लोगों का उत्साह और सहभागिता देखने योग्य रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। इसके पश्चात वन्यजीव रेस्क्यू टीम प्रमुख जिंदेंद्र सारथी ने कहा कि वन्यजीव केवल जंगलों की ही नहीं, बल्कि पूरे पर्यावरण और मानव जीवन की सुरक्षा के आधार हैं, उन्होंने लोगों से अपील में कहा कि किसी भी वन्यजीव को नुकसान



न पहुंचाएं और आवश्यकता पड़ने पर तुरंत वन विभाग को सूचना दें। नोवा नेचर के पार्थ चंद्राकर ने ओपनबिल स्टॉक की जीवनशैली, भोजन, प्रजनन तथा किसानों के लिए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पक्षी खेतों में पाए जाने वाले घोंघों की संख्या नियंत्रित कर प्राकृतिक खेती और जैव संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अवसर पर करतला रेंज ऑफिसर अक्ष पलक ऋषि ने भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम,1972 एवं वन्यजीवों की सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर ग्रामीणों को

जागरूक किया। साथ ही वन्य जीव संरक्षण के लिए हर संभव मदद वन विभाग के द्वारा किये जाने हेतु आश्वस्त किया। कार्यक्रम के समापन पर ग्रामीणों को लकड़ी से निर्मित कृत्रिम घोंसलों का वितरण किया गया तथा उन्हें अपने घरों एवं आसपास सुरक्षित स्थानों पर स्थापित कर पक्षियों के संरक्षण में सहभागी बनकर पक्षी मित्र बनने का संदेश दिया गया। कनकी की पक्षी मित्र युवा समिति, जो लंबे समय से एशियन ओपन बिल स्टॉक संरक्षण एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही है, के सदस्यों को वन एवं



जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा पक्षी मित्र टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया।यह सम्मान युवाओं के द्वारा पक्षी संरक्षण कार्यों के प्रति समर्पण का प्रतीक बना। इस कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि गोरेलाल मांझी, जनपद सदस्य श्रीमति सुपमा राजवाड़े, वरिष्ठ जन नर्मा राजवाड़े, रामधन राजवाड़े, मोहम्मद इकबाल मेमन, दिनेश राजवाड़े, लक्षण यादव, सुरेश राजवाड़े, युवा समिति अध्यक्ष रामेश्वर दास महंत, सचिव बसंत राजवाड़े, विजय राजवाड़े ,डिप्टी रेंजर केशव सिदार, वन रक्षक कपिल कंवर, चंद्रशेखर कंवर, परमेश्वर बंजारे, दीपक कुजूर,

मुख्य आकर्षण

एशियन ओपन बिल स्टॉक संरक्षण पर विशेष जनजागरूकता। किसानों के लिए पक्षी के महत्व की जानकारी। भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम,1972 पर मार्गदर्शन। ग्रामीणों को लकड़ी के कृत्रिम घोंसलों का वितरण। संरक्षण कार्यों में सक्रिय युवाओं का सम्मान।

प्रतीक तिवारी एवं अन्य बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

अनुकरणीय पहल: सृष्टि महिला मंडल ने कु. अवधि की पूरी फीस भरी और ड्रेस सहित सभी सामाग्री प्रदान की



पाली (दिव्य आकाश)।

शिक्षा वह ज्योति है जिसे प्राप्त कर अज्ञानी, अबोध छात्र-छात्रा भी ज्ञान की प्रकाश से आलोकित होकर, अपने जीवन को उज्ज्वल बना सकता है। इसे चरितार्थ करते हुए सृष्टि महिला समिति SECL कोरबा द्वारा जिले के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को चयनित कर गोद लेकर उनकी शैक्षणिक शुल्क, सामग्री उपलब्ध कराकर पढ़ाई लिखाई जारी रखने में सहायता किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय लाफा में अध्यनरत माता-पिता विहीन छात्र बहेराभाटा लाफा निवासी कुमारी अवधि को प्राचार्य जी पी बंजारे के संरक्षण, नवाचारी व्याख्याता महावीर प्रसाद चंद्र के सद्प्रयास से शिक्षक साथियों, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सृष्टि महिला समिति एसईसीएल कोरबा द्वारा प्रदत्त शैक्षणिक शुल्क राशि 1500, पुस्तक, कॉपी, पेन को संस्था प्रमुख, पूर्व सरपंच संगीता सिंह लाफा के हाथों अवधी कक्षा

12वीं को सप्रेम भेंट किया गया। इस सहायता के लिए छात्र द्वारा महिला समिति का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया। संस्था प्रमुख ने चंद्रा सर के प्रयास से महिला समिति द्वारा की गई पहल को अनुकरणीय, प्रेरणादायी, सराहनीय बताते हुए समाज के संपन्न लोगों, संस्थाओं व संगठनों को जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए सदैव आगे आते रहना चाहिए, जिससे कोई भी निर्धन छात्र-छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे व शिक्षा प्राप्त कर स्वयं आत्मनिर्भर होकर एक कर्तव्य निष्ठ नागरिक बन सके और परिवार, समाज, राष्ट्र के निर्माण में अपनी महती भूमिका का निर्वहन कर सके। इस अवसर पर शिक्षक एस एल कुरें, यू एस श्रीवास, वीर सिंह कंवर, विवेक शर्मा, संतोष कुमार नामदेव ,राजकुमार गिरी , मोहन दास पथ, गुड्डी खूटे, , प्रीति बैरागी, स्मिता सिंह, प्रतिभा दिवाकर, कमलेश , रितेश, सोनू आदि का सहयोग रहा। इसे सफल बनाने में व्याख्याता विभा शुक्ला एनसीडीसी कोरबा की भूमिका रही।

सम्मान और भावनाओं के बीच प्राचार्य वी.के. निगम को दी गई गरिमामयी विदाई

पाली (दिव्य आकाश)।

विकासखंड पाली के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मांगामार में प्राचार्य वी.के. निगम के अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार द्वारा सम्मानपूर्वक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सरस्वती वंदना की प्रस्तुति कक्षा दसवीं की छात्राओं प्रियाशी, निम्मी, खुशी, रागिनी, एकता एवं राधना ने दी। इसके बाद विद्यालय के शिक्षकों ने अपने संबोधन में प्राचार्य निगम के अनुशासित व्यक्तित्व, कुशल नेतृत्व तथा विद्यालय के सर्वांगीण विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने, विभिन्न शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यार्थियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लेकर विद्यालय को नई पहचान दिलाई। समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने केक काटकर अपनी खुशियाँ साझा कीं तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से प्राचार्य निगम के प्रति सम्मान और भावनाएँ व्यक्त कीं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर



सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य वी.के. निगम ने विद्यालय परिवार के सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मांगामार विद्यालय में बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य एवं अविस्मरणीय स्मृतियों में सदैव शामिल रहेगा। प्रभारी प्राचार्य फिटर एक्का ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंत में व्याख्याता नरेशराम साहू ने सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। भावुक माहौल में समारोह का समापन हुआ।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम सरपंच एवं सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष छात्रपाल सिंह राज, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रामनाथ कश्यप, गाँव के वरिष्ठ नागरिक तथा विद्यालय परिवार के शिक्षक मनहरण लाल यादव, सुनंदा सिन्हा, इन्द्राणी पाण्डेय, सुशील दुबे, राजेन्द्र कँवर, कमला पटेल, राजेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कोरबा में बिजली विभाग की लापरवाही से दो जगह आग:खंभे के लाइन बॉक्स और ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट, घंटों गुल रही बिजली



कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा शहर में बिजली विभाग की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। शनिवार (1अगस्त) को अलग-अलग स्थानों पर शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की दो घटनाओं ने बिजली व्यवस्था की बढहाली उजागर कर दी। पहली घटना मानिकपुर की उरांव बस्ती में बिजली के खंभे पर लगे लाइन बॉक्स में हुई, जबकि दूसरी घटना दादर के दामाद मोहल्ला बस्ती में ट्रांसफार्मर में आग लगने की रही। दोनों घटनाओं के बाद लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही और स्थानीय लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी देखी गई।**लाइन बॉक्स में लगी आग, 15 मिनट तक निकलती नहीं चिंगारियां** मानिकपुर की उरांव बस्ती में बिजली के खंभे पर लगे लाइन बॉक्स में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसके बाद बॉक्स में आग लग गई और करीब 15 मिनट तक उसमें से चिंगारियां निकलती रहीं। इस दौरान पटाखों जैसी तेज आवाजें सुनाई देती रहीं, जिससे आसपास के लोग दहशत में आकर घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर बाद विद्युत प्रवाह स्वतः बंद हो गया, जिससे पूरे इलाके की बिजली गुल हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र के कई बिजली खंभे जर्जर हो चुके हैं, तार लटक रहे हैं और लाइन बॉक्स में जंग लग चुकी है। इसके बावजूद विभाग मरम्मत की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, अंधेरे में डूबा मोहल्ला दूसरी घटना दादर के दामाद मोहल्ला बस्ती में शनिवार देर रात हुई। यहां लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। आग की तेज लपटें देखकर मोहल्ले के लोग घरों से बाहर निकल आए। घटना के बाद पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बंद हो गई और लोग घंटों अंधेरे में रहे। स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना दी, लेकिन आरोप है कि विभाग की टीम काफी देर बाद मौके पर पहुंची। तब तक ट्रांसफार्मर पूरी तरह क्षीग्रस्त हो चुका था। बाद में कर्मचारियों ने आग पर काबू पाकर मरम्मत कार्य शुरू किया।**शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ सुधार** स्थानीय निवासियों का कहना है कि जर्जर बिजली ढांचे और बार-बार होने वाले शॉर्ट सर्किट की शिकायत कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से की जा चुकी है। वर्तमान और पूर्व पार्षदों ने भी लिखित रूप से व्यवस्था सुधारने की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने विभाग से जर्जर खंभों, तारों और ट्रांसफार्मरों को जल्द बदलने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

3 अगस्त को दिव्य रुद्राभिषेक महोत्सव

पाली (दिव्य आकाश)।

श्रावण मास के पावन अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग परिवार, पाली द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी भगवान महाकाल शिव शंभू की कृपा प्राप्ति हेतु दिव्य रुद्राभिषेक का भव्य आयोजन किया जा रहा है। रुद्राभिषेक मंगलभवन में शाम 6 बजे से प्रारंभ होगा। इस दिव्य अनुष्ठान का संचालन बैंगलोर आश्रम से पधारे पूज्य स्वामी जी के पावन सानिध्य में वैदिक रीति-रिवाज एवं गुंजते रुद्र मंत्रों के मधुर उच्चारण के साथ संपन्न होगा।आप सभी श्रद्धालु एवं नगरवासियों से सादर निवेदन है कि इस पावन अवसर पर अपने परिवार सहित पधारकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा आध्यात्मिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और मंगलमय जीवन की अनुभूति करें।आपकी गरिमामयी उपस्थिति इस आयोजन की शोभा एवं सफलता को और अधिक बढ़ाएगी। आइए, हम सभी मिलकर श्रद्धा, भक्ति और मंत्रोच्चार के साथ इस दिव्य रुद्राभिषेक को सफल एवं अविस्मरणीय बनाएं।

बरसते पानी में पहुंचविहीन गांव टापरा बाइक से पहुंचे जिला पंचायत सीईओ जैन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

जिला पंचायत कोरबा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन ने शुक्रवार को जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र नकिया एवं देवपहरी का मैदानी दौरा कर विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। बारिश और दुर्गम परिस्थितियों के बावजूद वे ग्राम पंचायत बेला के आश्रित पहुंचविहीन गांव टापरा तक मोटरसाइकिल से पहुंचे और विकास कार्यों का स्थल पर जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप गुणवत्तापूर्वक तथा निर्राश्रित सम्य-सीमा में पूर्ण किए जाएं।

दौरे के दौरान श्री जैन ने टापरा में निर्माणाधीन प्राथमिक शाला भवन का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बरसात के कारण प्रभावित नाला एवं मिट्टी कटाव वाले स्थलों का भी मोटरसाइकिल से पहुंचकर निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुरक्षात्मक एवं स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। सीईओ ने देवपहरी एवं नकिया क्षेत्र में निर्माणाधीन स्कूल भवन, आंगनबाड़ी केंद्र, पीएम जनमन आवास सहित विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत चुईया के भटगांव, देवपहरी के बरपानी तथा देवद्वारी में निवासरत पहाड़ी कोरबा परिवारों से आवास निर्माण में आ रही कठिनाइयों की जानकारी ली। उन्होंने सरपंच, सचिव



एवं आवास समन्वयकों को हितग्राहियों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराते हुए आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने लंबे समय से बंद एवं अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को तत्काल पुनः प्रारंभ कर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने गोबर गैस प्लांट एवं एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) का भी निरीक्षण कर संचालन एवं रखरखाव को बेहतर बनाने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दौरे के दौरान सीईओ ने आजीविका गतिविधियों से जुड़ी स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता, विपणन एवं आयवर्धन के उपायों पर चर्चा करते हुए महिलाओं का उत्साहवर्धन किया तथा आजीविका गतिविधियों का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया।

सीईओ श्री जैन ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद

LIC

एलआईसी क्लाइंट... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही सें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कम्पैरेंट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकार्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

प्राशा रंगोले में जन्मदिन पर बच्चों को खिलाया व्यंजन, पेड़ लगाकर हरित विद्यालय का संदेश

पाली (दिव्य आकाश)।

शासन की महत्वाकांक्षी 'न्योता भोजन' योजना को जनभागीदारी के माध्यम से सफल बनाने की दिशा में शासकीय प्राथमिक शाला रंगोले, संकुल धौराभाटा में प्रेरणादायी पहल देखने को मिली। विद्यालय के शिक्षक शत्रुघन सिंह कंवर ने अपने अवतरण दिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के बीच न्योता भोजन का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीएसी वीरेंद्र कुमार जगत के मार्गदर्शन में केक

काटकर किया गया। इसके पश्चात शत्रुघन कंवर ने विद्यार्थियों को अपने हाथों से समोसा, बड़ा, जलेबी, मटर-

चटनी, सलाद परोसकर स्नेहपूर्वक अतिरिक्त पोषण खिलाया गया। स्वादिष्ट न्योता भोजन पाकर बच्चों के

13 लाख के गांजे के साथ 4 तस्कर गिरफ्तार

कीमत का 26 किलो 800 ग्राम गांजा जब्त किया। इस मामले में दो महिलाओं सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार और एक बाइक जब्त की गई है। बिरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद कार में गांजा ले जाया जा रहा है। इस कार के आगे एक बाइक सवार पायलटिंग कर रहा था। सूचना के आधार पर बिरा पुलिस ने भटगांव से बसंतपुर मार्ग पर महानदी पुल के पास घेराबंदी की और कार तथा बाइक को रोक लिया। तलाशी लेने पर

कार से दो बोरियों में भरा 26 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद हुआ।**कार, बाइक और गांजा जब्त, 4 आरोपी गिरफ्तार** कार में दो महिलाएं और एक चालक सवार थे। बाइक सवार युवक कार को रास्ता दिखाते हुए आगे चल रहा था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जैजैपुर निवासी विजय बघेल, उत्तम चंद्रा, देवरहटा निवासी भूरी बाई और महासमुंद्र जिले के सरायपाली निवासी सब्बा शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कार, मोटरसाइकिल और गांजा जब्त कर

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।**आरोपियों को भेजा गया जेल, तस्करी नेटवर्क की जांच जारी** पुलिस ने सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि गांजे की यह खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था। मामले में आगे की जांच जारी है और तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

कोल इंडिया का उत्पादन जुलाई में 8.4% बढ़कर 5.036 करोड़ टन पर



नई दिल्ली, एंजेंसी ।

सरकारी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का कोयला उत्पादन जुलाई में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5.036 करोड़ टन हो गया। सीआईएल की देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी है। बारिश से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने उत्पादन में अच्छी वृद्धि दर्ज की। मांग के अनुरूप भंडार प्रबंधन रणनीति के चलते कोयले की आपूर्ति भी मजबूत बनी रही और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखा गया।

कंपनी ने बयान में कहा, ‘कोल इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026–27 के जुलाई में शानदार परिचालन प्रदर्शन किया और कोयला उत्पादन में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।' कोयले की आपूर्ति जुलाई में 18.38 प्रतिशत बढ़कर 6.419 करोड़ टन रही। बयान में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2026–27 के जुलाई महीने में की गई कोयले की आपूर्ति, किसी भी वित्त वर्ष के इसी महीने में कोयले की अब तक की सबसे ज्यादा खपत है। इससे पहले जुलाई में सबसे ज्यादा आपूर्ति वित्त वर्ष 2024–25 में 6.05 करोड़ टन हुई थी।' कोल इंडिया ने जून 2026 में 6.595 करोड़ टन कोयले की आपूर्ति की थी, जो जून महीने की अब तक की सबसे अधिक आपूर्ति थी। कंपनी के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में कुल कोयला आपूर्ति 6.9 प्रतिशत बढ़कर 26.204 करोड़ टन हो गई, जो इस अवधि का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। इससे पहले अप्रैल-जुलाई 2024–25 में 25.94 करोड़ टन आपूर्ति का रिकॉर्ड था। बिजली क्षेत्र को कंपनी की कोयला आपूर्ति जुलाई में 18 प्रतिशत बढ़कर 4.977 करोड़ टन रही, जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 4.235 करोड़ टन थी। बिजली क्षेत्र, कोल इंडिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता वर्ग है।

जसप्रीत बुमराह श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर

घुटने की चोट से उबर नहीं पाए, 15 अगस्त से खेली जाएंगी सीरीज

नई दिल्ली, एंजेंसी ।

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज का पहला मैच 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। बुमराह बाएं घुटने की चोट से उबर रहे थे। बेंगलुरु में मौजूद BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनका रिहैबिलिटेशन चल रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड की मेडिकल टीम ने उन्हें अभी वापसी न करने की सलाह दी है। उन्हें पूरी तरह ठीक होने तक आराम करने को कहा गया है। हालांकि, BCCI की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। वे सीरीज के आखिरी वनडे में नहीं खेल सके थे।

चिरमिरी क्षेत्र को नई रेल सौगात, रू.602 करोड़ की नई ब्रॉडगेज लाइन के लिए टेंडर जारी

रायपुर (दिव्य आकाश) ।

छत्तीसगढ़ के चिरमिरी क्षेत्र को जल्द ही बेहतर रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) ने पाराडोल से नागपुर रोड स्टेशन तक नई ब्रॉडगेज सिंगल रेल लाइन बिछाने तथा मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन के स्लूइंग कार्य के लिए ई-निविदा (ई-टेंडर) आमंत्रित कर दी है। ईपीसी मोड पर होने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत लगभग रू.601.90 करोड़ है, और इसे दो वर्ष (730 दिन) में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह परियोजना उस मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले से जुड़ी है, जो प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है। लंबे समय से इस अंचल के लोग बेहतर रेल सुविधा की मांग करते रहे हैं। नई लाइन बनने से चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों की रेल पहुंच और सुगम होगी, जिससे यात्रियों के साथ-साथ इस कोयला-समृद्ध क्षेत्र के औद्योगिक और व्यापारिक आवागमन को भी नई गति मिलेगी।

क्या है परियोजना

यह कार्य पाराडोल टेकऑफ पॉइंट (किलोमीटर 947.257) से नागपुर रोड स्टेशन (किलोमीटर 964.820) तक नई ब्रॉडगेज

क्षेत्र के विकास को मिलेगी रफ्तार

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के अनुसार, इस नई लाइन के बनने से चिरमिरी और एमसीबी जिले की देश के अन्य हिस्सों से कनेक्टिविटी काफी मजबूत होगी। कोयला और खनिज परिवहन को नई राह मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और व्यापार को बल मिलेगा। निर्माण कार्य के दौरान क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और यातायात सुगम होने से आम लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। बेहतर रेल सुविधा क्षेत्र में पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देगी।

मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस परियोजना को क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया गया है और क्षेत्रवासियों को आश्चस्त किया गया है कि रेल कनेक्टिविटी बेहतर करने की दिशा में आगे भी प्रयास जारी रहेंगे।

क्षेत्र के लोगों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह है। लंबे समय से लंबित रेल विस्तार की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जो आने वाले वर्षों में चिरमिरी अंचल की तस्वीर बदलने में अहम भूमिका निभाएगा।

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले के लोगों ने इस परियोजना की घोषणा का खुले दिल से स्वागत किया है। क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि वर्षों से लंबित यह मांग अब साकार होते दिख रही है, जिससे उनमें उत्साह का माहौल है। चूंकि यह क्षेत्र प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का गृह क्षेत्र है, स्थानीय लोगों ने इस उपलब्धि के लिए उनकी पहल और प्रयासों की सराहना की है।

सिंगल लाइन के निर्माण से संबंधित है। इसके साथ ही मौजूदा बोरीडांड-चिरमिरी लाइन का किलोमीटर 946.640 से 947.257 के बीच स्लूइंग (लाइन को नई दिशा में जोड़ने) का कार्य भी शामिल है। नई लाइन की कुल लंबाई करीब साढ़े सत्रह किलोमीटर होगी। परियोजना के दायरे में केवल पटरी बिछाना ही नहीं, बल्कि बड़े पुल, रोड ओवर ब्रिज

(आरओबी), रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), एक वायाडक्ट पुल, सिमनल एवं दूरसंचार प्रणाली, ऑप्टिकल फाइबर केबल और विद्युतीकरण जैसे अनेक आधुनिक कार्य भी शामिल हैं। नई चिरमिरी स्टेशन, पारादोल जंक्शन तथा नागपुर रोड स्टेशन से जुड़े निर्माण कार्य भी इसी परियोजना का हिस्सा हैं, जिससे पूरा रेल खंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा।

बांग्लादेश जाने की तैयारी में पूर्व पीएम शेख हसीना ?

दो साल बाद 5 अगस्त को दिल्ली से वर्चुअल संबोधन बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सत्ता गंवाने के लगभग दो साल बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आने वाली हैं

नई दिल्ली, एंजेंसी ।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सत्ता गंवाने के लगभग दो साल बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से मीडिया के सामने आने वाली हैं। वे 5 अगस्त को नई दिल्ली से एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करेंगी। इस दौरान वे बांग्लादेश वापसी और भविष्य की राजनीतिक

रणनीति पर बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं।

5 अगस्त को कार्यक्रम

यह विशेष संवाद नई दिल्ली स्थित फॉरिन करिस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया (FCC साउथ एशिया) की ओर से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम 5 अगस्त 2026 को शाम 6 बजे से 7:30 बजे तक मथुरा रोड स्थित सर मार्क टली ऑडिटोरियम में होगा। इसका सीधा प्रसारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर भी किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि यह कार्यक्रम ठीक उसी दिन हो रहा है, जब दो साल पहले 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना का 15 साल पुराना शासन समाप्त हुआ था। उग्र आंदोलन के बाद उन्हें अचानक देश छोड़कर भारत

आना पड़ा था। भारत आने के बाद से वे सार्वजनिक कार्यक्रमों और मीडिया से दूर रही हैं। इसलिए यह उनका पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन होगा।

कौन-कौन होगा शामिल ?

इस कार्यक्रम में शेख हसीना के साथ बांग्लादेश के कई प्रमुख चेहरे जुड़ेंगे। इनमें उनके बेटे और पूर्व आईटी सलाहकार सजीब वाजेद जाँय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी नौफेल, पूर्व क्रिकेटर और पूर्व सांसद शाकिब अल हसन तथा बांग्लादेश मानवाधिकार वाँच के महासचिव मोहम्मद अली सिद्दीकी शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता FCC साउथ एशिया के अध्यक्ष डॉ. वाएल अक्वाद करेंगे।

छुरी एकलव्य विद्यालय में अव्यवस्था का मामला:सहायक आयुक्त कसेर को हटाकर हो निष्पक्ष जांच – राजेश यादव

छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों पर हो कड़ी कार्रवाई

कोरबा (दिव्य आकाश) ।

भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह संयोजक एवं बिलासपुर संभाग प्रभारी राजेश यादव ने कोरबा जिले के कटघोरा ब्लाक अंतर्गत छुरीकला (सलोरा) स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में बदहाल व्यवस्थाओं के विरोध में छात्रों द्वारा मुख्य सड़क पर किए गए चक्काजाम को अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक बताया है।

श्री यादव ने कहा कि आदिवासी

छात्र-छात्राएं लंबे समय से दूषित पेयजल, स्तरहीन भोजन, मूलभूत सुविधाओं के अभाव तथा शिकायत करने पर कथित रूप से टीसी देने की धमकी जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। बार-बार शिकायतों और जनप्रतिनिधियों के संज्ञान में मामला लाए जाने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं किए जाने के कारण विद्यार्थियों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा, जो प्रशासनिक संवेदनहीनता को दर्शाता है।

अदालत ने उसे 14 दिन की STF हिरासत में भेज दिया है। STF ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एंजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद बट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

पुलिस अर्पिता को झारखंड से कोलकाता लेकर आई। बर्धमान कोर्ट ने उसे 13 दिन की कस्टडी में भेज दिया है।

उन्होंने कहा कि 29 जुलाई 2026 को संबंधित अधिकारियों द्वारा शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, किंतु उसके अनुरूप कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जाती तो पहले जनप्रतिनिधियों का घेराव और बाद में सैकड़ों विद्यार्थियों को मुख्य सड़क पर बैठकर चक्काजाम करने की नौबत नहीं आती।

श्री यादव ने राज्य सरकार से मांग की है कि आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्रीकांत कसेर को तत्काल पद से हटाकर पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि

शिकायतों और दिए गए आश्वासनों के बावजूद समय पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि किसी अधिकारी की लापरवाही या उदासीनता सामने आती है तो उसके विरुद्ध कठोर विभागीय कार्रवाई की जाए।

शनिवार को सड़क जाम करने पर मजबूर हुए बच्चे



28 जुलाई को विधायक का घेराव करने के बाद 01 अगस्त को बच्चे चक्काजाम करने पर मजबूर हुए थे।

ट्रंप का ऐलान

खत्म होगा ईरान युद्ध

समझौते की रूपरेखा तैयार, फिलहाल अमेरिकी हमले बंद वाशिंगटन, एंजेंसी ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह पांच महीने से जारी इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने कहा कि इस समझौते में ‘होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा।' उन्होंने कहा, ‘इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए, फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके।’

ट्रंप ने यह भी कहा कि इजराइल ने ईरान के साथ ऐसा समझौता पूरा कराने के अमेरिकी प्रयासों में शामिल होने पर सहमति जताई है, जिससे युद्ध समाप्त हो सके। इससे पहले शनिवार को सऊदी



अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान ने ट्रंप से फोन पर बातचीत के दौरान अमेरिका द्वारा ईरान पर नए हमले करने की आशंका पर चिंता व्यक्त की। दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत से परिचित एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी। समाचार वेबसाइट ‘एक्सियोस’ ने सबसे पहले इस बातचीत की जानकारी दी। यह बातचीत ऐसे समय हुई जब ट्रंप ईरान पर नए सैन्य हमले करने पर विचार कर रहे थे। बातचीत से अवगत व्यक्ति ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि सऊदी अरब को आशंका है कि यदि अमेरिका, ईरान के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाता है या अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर हमले करता है, तो तेहरान जवाबी कार्रवाई में सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देशों के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला कर सकता है।

राष्ट्रपति भवन में गूंजी बस्तर की जनजातीय संस्कृति

रायपुर (दिव्य आकाश) ।

बस्तर के घने जंगलों, अनूठी सामाजिक व्यवस्था और समृद्ध जनजातीय विरासत की गूंज अब देश के सर्वोच्च मंच राष्ट्रपति भवन तक जा पहुंची है। नारायणपुर जिले के पारंपरिक मांझी-चालकी और ‘बस्तर पंडुम’ प्रतियोगिता के विजेताओं का एक विशेष प्रतिनिधिमंडल हाल ही में नई दिल्ली पहुंचा, जहां उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति से सौजन्य मुलाकात की। इस आत्मीय भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को बस्तर की जीवंत परंपराओं, लोक कलाओं और सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को बस्तर की सांस्कृतिक पहचान से रूबरू कराने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 30 जुलाई 2026 में राष्ट्रपति भवन का दौरा किया, जिसमें



बस्तर पंडुम के विजेता, मांझी-चालकी और पद्मश्री सम्मानित कलाकार शामिल थे।

इस ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को नारायणपुर से हुई थी, जब नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल ने हरी झंडी दिखाकर इस दल को दिल्ली के लिए खाना किया था। पूरे जिले के लिए यह एक अत्यंत गर्व का क्षण था। इसके बाद 30 जुलाई

को दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में बस्तर की जनजातीय संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने का यह सुनहरा अवसर आया। मुलाकात के दौरान बस्तर की कला और परंपरा के प्रमुख ध्वजवाहकों ने अपनी माटी का प्रतिनिधित्व किया। इनमें ‘बस्तर पंडुम’ के जनजातीय आभूषण विधा की विजेता मुंगंडी कोरॉम और सुदनी दुग्गा शामिल थीं।

गौमाता को ‘राज्यमाता’ का दर्जा दिलाने के लिए एकजुट हुए गौसेवक, संरक्षण और संवर्धन का लिया संकल्प



कोरबा (दिव्य आकाश) ।

विश्व हिन्दू परिषद की गौसेवा शाखा के तत्वावधान में रविवार को कोरबा जिले के होटल महाराजा में जिलेभर के गौसेवकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में गौसेवकों ने भाग लेकर गौमाता की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन को लेकर एकजुटता का परिचय दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गौसेवकों ने प्रदेश में गौमाता को ‘राज्यमाता’ का दर्जा दिलाने के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लिया।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में गौमाता का विशेष महत्व रहा है। गौ संरक्षण केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गौवंश की सुरक्षा और देखभाल के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर गौसेवकों ने जिले में निराश्रित एवं घायल गौवंश के संरक्षण, उनके उपचार, चारे-पानी की व्यवस्था तथा गौ तस्करी और गौ क्रूरता पर प्रभावी रोक लगाने के लिए प्रशासन से सख्त कदम उठाने की मांग की। साथ ही आम नागरिकों से भी गौसेवा के कार्यों में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई।

बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि गौ संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए जिलेभर में जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। कार्यक्रम के अंत में सभी गौसेवकों ने गौमाता की रक्षा, सेवा और सम्मान के लिए निरंतर कार्य करने तथा प्रदेश में गौमाता को राज्यमाता का दर्जा दिलाने के उद्देश्य से संगठित होकर अभियान चलाने का संकल्प दोहराया।

जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़फोड़ करने वाला था सदिग्ध जैश आतंकी

कोलकाता, एंजेंसी ।

पश्चिम बंगाल STF ने दावा किया है कि बर्धमान जिले से गिरफ्तार सदिग्ध जैश-ए-मोहम्मद आपरेटिव हमीम मंडल ने दिल्ली के जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में तोड़-फोड़ की साजिश रची थी। STF के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स ने हमीम को CJP के छात्र प्रदर्शन में पुलिस की वर्दी पहनकर

घुसने और वहां अशांति फैलाने का निर्देश दिया था।

STF के IG गौरव शर्मा के मुताबिक, हमीम को बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंद्रु अधिकारी की गतिविधियों पर नजर रखने और उनकी सुरक्षा से जुड़ी जानकारी जुटाने का भी काम सौंपा गया था। हमीम को दो दिन पहले पूर्व बर्धमान से गिरफ्तार किया गया था।

अदालत ने उसे 14 दिन की STF हिरासत में भेज दिया है। STF ने हमीम की गर्लफ्रेंड अर्पिता सरकार को भी झारखंड से गिरफ्तार किया है। एंजेंसी का दावा है कि दोनों पाकिस्तान से जुड़े शाहजाद बट्टी गैंग के इशारे पर काम कर रहे थे।

पुलिस अर्पिता को झारखंड से कोलकाता लेकर आई। बर्धमान कोर्ट ने उसे 13 दिन की कस्टडी में भेज दिया है।

पुलिस अर्पिता को झारखंड से कोलकाता लेकर आई। बर्धमान कोर्ट ने उसे 13 दिन की कस्टडी में भेज दिया है।

राज्य मंत्री के बेटे को हनी ट्रैप में फंसा रही थी अर्पिता

हमीम और उसकी गर्लफ्रेंड पर बंगाल के राज्य मंत्री उमेश राय के बेटे को हनीट्रैप कर अगवा करने और परिवार से वसूली की साजिश रचने का भी आरोप है। STF के मुताबिक,

अर्पिता कई नेताओं और अन्य चर्चित लोगों से हनीट्रैप के जरिए जानकारी जुटाकर हमीम तक पहुंचाती थी।

उसके वॉट्सऐप चैट से पाकिस्तान से जुड़े संपर्कों के संकेत मिले हैं। STF के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि जांच में पता चला है कि यह साजिश पाकिस्तान के हैंडलर्स ने रचाई थी। हर आरोपी की भूमिका, इसमें और कितने लोग शामिल थे।

सरोकार

ताकि बाढ़ पीड़ितों का जीवन के प्रति भरोसा कायम रहे



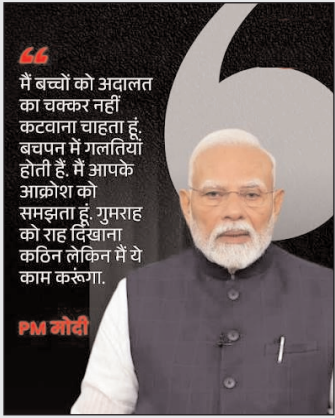
मानसून की देरी से देश चिंतित था, किसान चिंतित थे, लेकिन देर से आए मानसून ने इस कदर कहर बरपाया, कि देश का चारों कोना तबाही से सिहर उठा। खासकर असम की बात करें, तो जलप्रलय से चारों तरफ तबाही का मंजर देख कर लोगों की आत्मा भी कांप उठी। असम के 26 जिलों में तबाही का मंजर देख कर कोई भी कांप उठा होगा। 26 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए और लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा और शिविरों में अपना आसियाना ढूंढना पड़ा। कई सामाजिक संगठनों एवं उद्योगपतियों ने राहत के लिए अपने हाथ बढ़ाए और सहयोग शिविरों तक पहुंचा। इस तबाही में 90 लोगों से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवा दी और कई परिवार प्रकृति के कहर से अपना सब कुछ खो दिया। असम सहित गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा में भी प्रकृति के कहर से भारी नुकसान हुआ है और कई लोगों की जान जाने के साथ अरबों का निर्माण ध्वस्त हो गया। इस समय बाढ़ पीड़ितों ने जो कुछ अपनों को खोया, उसे लौटाया नहीं जा सकता, सिर्फ हमारी संवेदनाएं ही उन तक पहुंच सकती है, लेकिन समय और परिस्थिति ऐसी है कि बाढ़ पीड़ितों को राहत सामाग्री देने के साथ उनके जीवन के लिए जीवन जीने का भरोसा लौटाने का। बाढ़ पीड़ितों को अभी हौसला देने का समय है, ताकि जो कुछ उन्होंने खोया, इसके बाद भी उनका जीवन निरंतर चलता रहे... ऐसा हमें करना होगा। जो सक्षम व्यक्ति उन पीड़ितों तक पहुंच सकने में सक्षम हैं, वे जरूर पहुंचे और पीड़ितों को राहत सामाग्री देने के साथ उनका हौसला भी बढ़ाएं। असम सहित अन्य राज्यों में भी कईयों ने अपना सब कुछ खोया है, उन तक भी पहुंचे और उनके जीवन को सामान्य बनाने के लिए सहयोग करें, संबल दें, हौसला बढ़ाएं।

-संपादक

जीने की राह

गोस्वामी तुलसीदास जी के अनमोल वचन हमें धर्म, कर्म और अच्छे आचरण की सीख देते हैं। उनके मुख्य अनमोल विचारों में दया ही धर्म का मूल है, कर्म प्रधान विश्व रचि राखा, और सत्संग से विवेक की प्राप्ति शामिल हैं। तुलसीदास कहते हैं ईश्वर ने इस संसार को कर्म प्रधान बनाया है, यहाँ जैसा कर्म करोगे वैसा ही फल मिलेगा। शरीर एक खेत है और मन किसान है, पाप और पुण्य दोनों बीज हैं, जैसा बोओगे वैसा ही काटोगे। धीरज, धर्म, मित्र और नारी की असली परख मुश्किल समय (विपत्ति) में ही होती है। मीठे वचन चारों ओर सुख फैलाते हैं और सबको अपना बनाते हैं, इसलिए कठोर वचनों को छोड़ देना चाहिए।

विशाल व्यक्तित्व, विशाल हृदय: पीएम मोदी बोले-गुमराह बच्चों को माफ करना चाहता हूं



भारत जैसा विशाल लोकतंत्र को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए ऐसा नेतृत्व चाहिए, जो सक्षम हो, विशाल हृदय रखता हो और भविष्य की सोच के साथ भारत के भविष्य को आगे बढ़ा सके। नीट पेपर लीक मामले में काकरोचों ने जंतर-मंतर में आंदोलन किया, वहीं देश के पर्यावरणविद और महान वैज्ञानिक सोनम वांगचुक ने 26 दिन तक आमरण अनशन किया। किसी भी लोकतंत्र में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है और किसी मुद्दे को लेकर जनहित में आंदोलन करना भी लोकतंत्र को मजबूत करता है। शांतिपूर्ण आंदोलन न्यायोचित है, जबकि हिंसक प्रदर्शन किसी भी कीमत पर आम जनता को स्वीकार्य नहीं है। गत दिनों जंतर-मंतर में काकरोचों ने जो आंदोलन किया और छात्रों के इस आंदोलन को सरकार ने स्वीकार भी किया, लेकिन कुछ बच्चों ने मोदी जैसे विशाल व्यक्तित्व, वह भी प्रधानमंत्री जैसे उच्च पद पर विराजमान, सक्षम नेतृत्व को अपशब्द कह कर भारत की गरिमा को तार-तार कर दिया। सबसे पहले मोदी ने वीडियो जारी कर छात्रों को सम्बोधित किया और उनके आंदोलन को स्वीकार करते हुए उनकी मांगें पूरी की। युवाओं को उन्होंने भारत का भविष्य भी बताया। शुक्रवार को उन्होंने दूसरा वीडियो सोशल मीडिया पर जारी किया, जिसमें उन्होंने विशाल व्यक्तित्व और विशाल हृदय का परिचय दिया। उन्होंने देश को सम्बोधित करते हुए वीडियो में अपील की- यह समय इन बच्चों को गले लगाकर राह दिखाने का है। मैं इन्हें माफ करना चाहता हूँ, जिन्होंने आंदोलन के दौरान मुझे और मेरी माँ को गाली दी। समाज भी मेरी इस बात को स्वीकार करे। दांत भी हमारे हैं, जीभ भी हमारी है। बच्चे भी हमारे हैं, उन्हें सही राह दिखाना हमारा काम है। मैं सभी बच्चों को माफ करना चाहता हूँ और बच्चों को अदालत का चक्कर नहीं कटवाना चाहता। बच्चे अपने भविष्य पर फोकस करें।

हमारे हैं और उन्हें सही रास्ता दिखाना समाज की जिम्मेदारी है।
युवाओं से किया देश के लिए साथ चलने का आह्वान

प्रधानमंत्री ने युवाओं से अपनी गलतियों से सीखने और देश की प्रगति में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और युवाओं का भविष्य भी उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि हर युवा आगे बढ़े और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाए। शुक्रवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नया वीडियो संदेश साझा किया। वीडियो जारी होने के महज 30 मिनट के भीतर इसे 13 लाख (1.3 मिलियन) से अधिक लाइक्स मिल गए। बीते नौ दिनों में प्रधानमंत्री मोदी का इंस्टाग्राम पर साझा किया गया यह पांचवां वीडियो संदेश है। उन्होंने इन वीडियो संदेशों में पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानून, परीक्षा कराने वाली एजेंसी- एनटीए में सुधार के लिए टास्क फोर्स के गठन जैसे अहम फैसलों पर चर्चा की है।

30 जुलाई: बोले- पेपर लीक की चुनौती से हर राज्य और केंद्र सरकार जुझ रही
लोकसभा और राज्यसभा से पेपर लीक से संबंधित संशोधन विधेयक पारित होने के बाद 30 जुलाई को रात करीब 10:40 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि कई दशकों से केंद्र और राज्य सरकारें पेपर लीक जैसी समस्या का सामना कर रही हैं, जिससे छात्रों के भविष्य पर गंभीर असर पड़ता है।

26 जुलाई: कहा- पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लागू
26 जुलाई को जारी वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने परीक्षा सुधारों के लिए गठित हाई-पावर टास्क फोर्स का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि छह सदस्यीय इस समिति की अध्यक्षता इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी करेंगे।

24 जुलाई: सकारात्मक सुझावों के लिए जताया आभार
24 जुलाई को साझा किए गए वीडियो में प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछली रात पोस्ट किए गए उनके वीडियो पर लोगों ने जिस

तरह प्रतिक्रिया दी और सकारात्मक सुझाव दिए, उसके लिए वह सभी का धन्यवाद करते हैं।

23 जुलाई: आधी रात को पेपर लीक संशोधन विधेयक का किया जिक्र

23 जुलाई को आधी रात जारी वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि पेपर लीक कोई सामान्य मुद्दा नहीं, बल्कि लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि इस समस्या से निपटने के लिए पिछले ढाई महीनों में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

31 जुलाई : गुमराह बच्चों को राह दिखाने की समाज से अपील

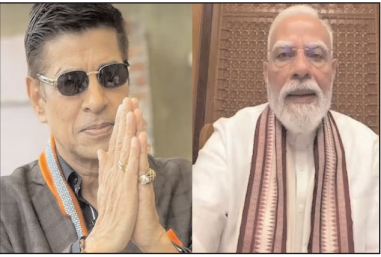
31 जुलाई की देर रात मोदी ने इंस्टाग्राम में जारी वीडियो संदेश में समाज और देश से अपील करते नजर आए और कहा कि युवावस्था में बच्चे कभी-कभी गलतियां करते हैं, हम उन्हें सजा नहीं देते, उन्हें सुधारने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कुछ शरारती बच्चों ने मुझे और मेरी माँ को गालियां दी, यह हमारे समाज के संस्कार में नहीं है और इसे समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। मैं ऐसे बच्चों को माफ करता हूँ और अदालतों का चक्कर नहीं कटवाना चाहता। उन्होंने समाज से अपील की और कहा कि यह समय बच्चों को सही राह दिखाने का है और कहा कि बच्चे अपने भविष्य पर फोकस करें और तेजी से बढ़ रहे भारत को आगे बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाएं। ऐसे देश के नेतृत्व और विशाल हृदय प्रधानमंत्री की संवेदनशीलता और क्षमाशीलता की चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। यह भारत की संस्कृति और उच्च पद की गरिमा को बढ़ाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व का ही असर कहा जा सकता है, जिनके पास विशाल व्यक्तित्व के साथ विशाल हृदय भी है। हिमालय जैसा व्यक्तित्व रखने वाले सक्षम नेतृत्व से देश का विकास और देश की सुरक्षा, दोनों सुरक्षित हैं।

इति...



प्रेरणा

सुदेश ने कहा- मैं पीएम मोदी के पैर धोकर वह पानी पीना चाहता हूँ...



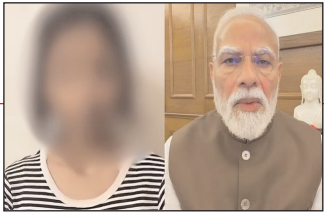
बॉलीवुड अभिनेता सुदेश बेरी अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि अगर उन्हें कभी पीएम मोदी से मिलने का मौका मिला, तो वह उनके पैर धोकर उसका पानी पीना चाहेंगे। इतना ही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री को 'विष्णु का अवतार' भी बताया। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर समर्थन और आलोचना, दोनों तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

फिल्म 'बॉर्डर' से लोकप्रिय हुए अभिनेता सुदेश बेरी ने यह बयान Accompany Akki पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान दिया। बातचीत के दौरान होस्ट ने उनके एक पुराने वीडियो का जिक्र किया, जिसमें वह अपनी मां के पैर धोते नजर आए थे। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बता दें कि सुदेश बेरी ने कहा कि अगर उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का अवसर मिला, तो वह उनके पैर धोकर उसका पानी पीना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री से कभी व्यक्तिगत रूप से मुलाकात नहीं की, लेकिन जिस तरह लोग भगवान को देखे बिना भी उनकी पूजा करते हैं, उसी तरह वह भी पीएम मोदी का सम्मान करते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह सम्मान किसी राजनीतिक विचारधारा के कारण नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आस्था के कारण है।

बातचीत के दौरान सुदेश बेरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'विष्णु का अवतार' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक, कुछ चीजों को शब्दों में नहीं, बल्कि केवल महसूस किया जा सकता है। सुदेश बेरी ने दावा किया कि आधुनिक भारत में भी 'पांच पांडव' हैं। उन्होंने इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिया। हालाँकि, पांचवें नाम का उन्होंने खुलासा नहीं किया।

CJP पर भी साधा निशाना

इंटरव्यू के दौरान सुदेश बेरी ने CJP की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि केवल धरना-प्रदर्शन करने से समाज का भला नहीं होगा। उनके अनुसार, जरूरतमंदों के लिए अस्पताल, बच्चों के लिए पार्क और बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम जैसी सुविधाओं पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। सुदेश बेरी के इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि कई यूजर्स ने इस बयान की आलोचना भी की। फिलहाल उनका यह बयान इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है।



पीएम को अपशब्द कहने वाली लड़की ने मांगी माफी

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक युवती, जिस पर NEET पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा इस्तेमाल करने का मामला दर्ज किया गया था, अपनी टिप्पणी के लिए पछतावा जताते हुए माफी मांग रही हैं। ऑनलाइन काफी चर्चा में आए इस वीडियो में लड़की हाथ जोड़कर दर्शकों से सीधे बात करती दिख रही है। वह मानती है कि विरोध प्रदर्शन के दौरान उसकी टिप्पणी गलत थी और कहती है कि उसे ऐसा कहने पर गहरा पछतावा है। अपने बयान में, उसने आरोप लगाया कि वह प्रदर्शन में मौजूद अन्य लोगों के प्रभाव में आ गई थी और ऐसी बातें कह गई जिन्हें वह अब गलत मानती है। उसके अनुसार, विरोध प्रदर्शन के माहौल ने उसके सोचने-समझने की क्षमता को प्रभावित किया, जिससे उसने ऐसी बातें कहीं, जो वह सामान्य तौर पर नहीं कहती। लड़की आगे कहती है कि उसे अपने किए पर पछतावा है। माफी मांगना भी बड़ी बात है।

सीड बॉल अभियान- हरियाली बढ़ाने का सरल और प्रभावी माध्यम

सीड बॉल पर्यावरण को हरा-भरा बनाने और वनीकरण (रिफॉरेशन) का एक बेहद सरल, किफायती और अत्यधिक प्रभावी माध्यम है। इसमें बीजों को मिट्टी और जैविक खाद के मिश्रण से छोटी-छोटी गोलियों के रूप में सुरक्षित कर दिया जाता है, जिससे वे बिना मेहनत के दुर्गम स्थानों पर भी उग जाते हैं। सीड बॉल- बीज, मिट्टी (मुख्य रूप से चिकनी मिट्टी) और जैविक खाद (गोबर या वर्मीकम्पोस्ट) का एक छोटा और सूखा गोला होता है। बीजों को इस प्राकृतिक आवरण में लपेटकर सुखा लिया जाता है। मानसून की पहली अच्छी बारिश के बाद जब मिट्टी में पर्याप्त नमी हो, तब सीड बॉल्स का उपयोग करना सबसे अच्छा होता है। इन्हें यात्रा करते समय या खाली जगहों पर पैदल चलते हुए मिट्टी पर बिखेर दें। पानी के संपर्क में आते ही ये पौधे के रूप में विकसित होना शुरू हो जाती हैं। बारिश का मौसम पौधारोपण और वनों के विस्तार के लिए सबसे उपयुक्त समय माना जाता है। इसी उद्देश्य से वन विभाग द्वारा सीड बॉल (बीज गोला) अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान जनभागीदारी के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने का प्रभावी प्रयास है, जहाँ पौधारोपण करना कठिन होता है।

जनभागीदारी से बनेगा हरित भविष्य

वन विभाग का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। जब बच्चे, युवा, महिलाएं और ग्रामीण इस अभियान से जुड़ते हैं, तो हर व्यक्ति प्रकृति संरक्षण का सहभागी बनता है।

यदि प्रत्येक नागरिक वर्षा ऋतु में कुछ सीड बॉल तैयार कर उपयुक्त स्थानों पर डाले या पौधारोपण में भागीदारी करे, तो आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ का हरित क्षेत्र और अधिक समृद्ध होगा। सीड बॉल अभियान प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी निभाने का एक सरल, सुलभ और प्रभावी माध्यम है।

क्या है सीड बॉल

सीड बॉल मिट्टी, गोबर या जैविक खाद और विभिन्न वृक्षों के बीजों से तैयार किया गया छोटा गोलाकार गोला होता है। इसे जंगलों, पहाड़ियों, खाली भूमि और दुर्गम क्षेत्रों में फेंक दिया जाता है। वर्षा का पानी मिलने पर बीज अंकुरित होकर पौधों का रूप ले लेते हैं।

वन विभाग का हरित अभियान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सशक्त नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ वन विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम, वन महोत्सव तथा युवा फॉर नेचर जैसे अभियानों के साथ सीड बॉल कार्यक्रम को भी

व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है। स्कूलों, महाविद्यालयों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों और स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी से हजारों-लाखों सीड बॉल तैयार कर जंगलों और खाली भूमि में डाली जा रही हैं।
जैव विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका
सीड बॉल में महुआ, इमली, हर्रा, बहेड़ा, जामुन, करंज, नीम, बरगद, पीपल, आम, जामुन, शाल, बीजा, चार, खमार सहित स्थानीय प्रजातियों के बीजों का उपयोग किया जाता है। इससे प्राकृतिक वनों का विस्तार होता है, वन्यजीवों को भोजन और आश्रय मिलता है तथा जैव विविधता का संरक्षण भी सुनिश्चित होता है।



पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम
सीड बॉल अभियान से हरित आवरण बढ़ने के साथ-साथ जल संरक्षण, मिट्टी के क्षरण या कटाव में कमी, कार्बन अवशोषण तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में भी सहायता मिलती है। यह कम लागत में अधिक क्षेत्र को हरित बनाने का प्रभावी उपाय है। जसं।

बिजली से आम जनता को झटके पे झटका दे रही भाजपा सरकार, 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल लागू करें, स्मार्ट मीटर लगाना बंद करें, नहीं तो आंदोलन

पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने प्रेसवार्ता लेकर सरकार को घेरा



कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ में बिजली दरों में बढ़ोतरी और स्मार्ट मीटर के मुद्दे पर कांग्रेस ने राज्य सरकार के खिलाफ चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा की है। कोरबा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कांग्रेस कार्यालय में प्रेसवार्ता लेकर सरकार को घेरा और तल्लू आवाज में

कहा कि राज्य सरकार बिजली बिल के नाम पर आम जनता को झटके पे झटका दे रही है, जिससे आम जनता का बजट बिगड़ गया है।

प्रेसवार्ता में जयसिंह अग्रवाल के अलावा रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया, कांग्रेस ग्रामीण जिला अध्यक्ष मनोज चौहान, पूर्व विधायक श्यामलाल कंवर, राजेन्द्र तिवारी, पालूराम साहू,

कृपाराम साहू, सपना चौहान, अर्चना उपाध्याय, कुसूम द्विवेदी, रवि चंदेल, के डी महंत, सुरेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

जयसिंह अग्रवाल ने कहा कि कांग्रेस संगठन अगस्त से प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर हटाने और बढ़ी हुई बिजली दरें वापस लेने की मांग को लेकर अभियान शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि हाल ही में की गई बिजली दरों में वृद्धि को तत्काल सरकार वापस ले। स्मार्ट मीटर लगाने का निर्णय स्थगित किया जाए तथा व्यापक तकनीकी एवं सामाजिक समीक्षा की जाए। कांग्रेस सरकार की 400 यूनिट तक हाफ बिजली बिल योजना को लागू करें, ताकि आम जनता को महंगाई की मार से राहत मिल सके।

जयसिंह अग्रवाल ने कांग्रेस संगठन

की ओर से सरकार को चेताया कि तत्काल बिजली बिल में आम जनता को राहत दे, स्मार्ट मीटर लगाना बंद करें और बिजली दर बढ़ोतरी वापस ले नहीं तो प्रदेश संगठन जनता की आवाज बनकर चरणबद्ध आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

कांग्रेस ने सरकार से पहले अपील की है कि आम जनता को राहत दे, अन्यथा कांग्रेस संगठन चरणबद्ध आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

अगस्त से कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से स्मार्ट मीटर हटाने और बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोध में आवेदन भरवाएंगे। यह अभियान लगातार दो महीने तक चलाया जाएगा।

घर-घर अभियान पूरा होने के बाद जिला मुख्यालयों में बिजली कार्यालयों का घेराव किया जाएगा। इस दौरान एकत्रित आवेदन संबंधित अधिकारियों को सौंपे जाएंगे और उनकी पावती भी

ली जाएगी।

अंतिम चरण में मुख्यमंत्री निवास का घेराव

प्रदेश कांग्रेस ने कहा है आंदोलन के अंतिम चरण में मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। इस दौरान जनता की मांगों को सरकार के सामने रखा जाएगा।

मंत्री देवांगन पर फिर हमला

पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में पूर्व मंत्री श्री अग्रवाल ने कैबिनेट मंत्री लखनलाल देवांगन पर फिर हमला बोले और कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मेरे द्वारा एसईसीएल से स्वीकृत कराए गए कार्यों का भूमि पूजन कर रहे हैं और अपना श्रेय ले रहे हैं। उन्होंने चुनौती दी कि ढाई साल के कार्यकाल में मंत्री ने क्या-क्या काम किए और मैं भी अपना हिसाब दूंगा, डिबेट करा लें।

देश के कई हिस्सों में जल प्रलय

राजस्थान-24 जिलों में बारिश, अजमेर में सड़कों पर पानी भरा: बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 10 की मौत, केरलम और कर्नाटक में लैंडस्लाइड से 11 जानें गईं

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश के कई हिस्सों में जल प्रलय से जनजीवन प्रभावित हुआ है। असम में बाढ़ आपदा से जहां लाखों लोग प्रभावित हुए हैं, वहीं देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन प्रभावित है। राजस्थान के 24 जिलों में बारिश हो रही है। इसकी वजह से अजमेर की सड़कों पर पानी भर गया। वहीं, बिहार के बांका में अलग-अलग जगहों पर बिजली गिरने से 6 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सभी जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। झारखंड में भी बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। केरलम में भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड और बाढ़ से 8 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 8 लोग लापता हैं। सरकार ने 209 राहत शिविर बनाए हैं, जहां 5,792 लोगों को सुरक्षित पहुंचाया गया है। कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले में रविवार सुबह लैंडस्लाइड में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में मल्लिकार्जुन (35), उनकी पत्नी नागवेणी (28) और 3 साल का बेटा संतोष शामिल हैं।



भव्य आध्यात्मिक समारोह में दिव्य मंत्रोच्चार के साथ पाली में नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिला के पाली ब्लाक मुख्यालय नगर पंचायत पाली के मंगल भवन के पास ख्यातिलब्ध समाजसेवी प्रशांत मिश्रा के नेतृत्व में जनसहयोग से मंगल भवन के पास राधा-कृष्ण धाम का भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है, जहां राधा-कृष्ण की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए तीन दिवसीय भव्य आध्यात्मिक समारोह का आयोजन किया गया।

प्रथम दिन भव्य रूप से विशाल कलश यात्रा निकाली गई। दूसरे दिन दिव्य मंत्रोच्चार के साथ प्राण प्रतिष्ठा की गई। तीसरे दिन नवनिर्मित मंदिर में महाआरती के साथ विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया, जहां पर हजारों धर्मानुरागियों ने भोग प्रसाद ग्रहण किया। तीन दिन तक पाली आध्यात्मिक, अलौकिक तथा सद्भाव की पवित्र रसधारा में स्नान किया। पाली के चारों तरफ आध्यात्म की गूंज सुनाई दे रही थी, वहीं दिव्य मंत्रोच्चार से चारों तरफ सत्व का प्रकाश फैल रहा था और घंटे की नाद से प्रकृति भी राधा-कृष्ण की भक्ति का रसपान कर रही थी। बरसात में आसमान की लालिमा भी संदेश दे रही थी कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की दिव्य प्रतिमा से प्रकृति भी प्रसन्नचित हो रही है और अपनी लालिमा से आसमान भी मानो आयोजकों को आशीर्वाद दे रहा है। इस

प्राण प्रतिष्ठा:नवनिर्मित धाम में विराजमान हुए विग्रहर्ता श्रीगणेश, श्री राधा-कृष्ण



अद्भुत, अलौकिक और पवित्र क्षण का हजारों लोग साक्षी बने।

समारोह के द्वितीय दिन हुई प्राण प्रतिष्ठा



तीन दिवसीय समारोह के द्वितीय दिवस 19 जुलाई को विद्वान पंडितों, आचार्योंश्री अभिनव शुक्ला, संजय कृष्णा द्विवेदी, वासुदेव पाण्डेय, कृष्णा तिवारी, विवेकानंद पंडा एवं सी डी वैष्णव सहित उपस्थित पंडितों एवं आचार्यों के श्रीमुख से दिव्य मंत्रोच्चारों की गूंज

सुनाई दे रही थी, घंटे की नाद से क्षेत्र गुंजायमान हो रहा था, अलौकिक हवन पूजन से पूरा प्रकृति सत्व से नहा रही थी और मुख्य यजमान प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा सहित पूजा में बैठे युगल दम्पतियों के हवन पूजन से सभी देवी-देवता पूजन स्थल में पहुंच कर मानो इस महायज्ञ को सफल बना रहे हों और भगवान राधा-कृष्ण की युगल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बन रहे हों और इस अद्भुत मूर्ति को देखने के लिए लालायित हो रहे हों।

इस दिव्य समारोह में विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत सहित कई दिग्गज और विभूतियां शामिल हुए और इस दिव्य समारोह में स्थापित मूर्तियों का दिव्य दर्शन कर अभिभूत हुए।

आषाढ़ शुक्ल पंचमी 19 जुलाई को शुभ लग्न में भगवान राधा-कृष्ण की दिव्य मूर्ति के साथ भगवान श्रीगणेश के विग्रह की भी प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई। सबसे पहले विघ्न विनाशक भगवान श्रीगणेश राधा-कृष्ण धाम में पधारे और भगवान राधा-कृष्ण की युगल जोड़ी की भव्य प्रतिष्ठा के साक्षी बने। ऐसा अद्भुत और अलौकिक दृष्य से उपस्थित भक्तगण रोमांचित हुए और प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद दिव्य मूर्तियों का दर्शन कर पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया।



प्रथम दिन विशाल और भव्य कलश यात्रा निकाली गई

पाली में नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम में तीन दिवसीय आध्यात्मिक समारोह के प्रथम दिन 18 जुलाई को हजारों नारी शक्ति ने कलश यात्रा निकाली और कलश यात्रा के दौरान पूरा पाली भगवामय तथा राधा-कृष्ण भक्तिमय हो गया था। प्रमुख आचार्य एवं पंडितों की अगुवाई में मुख्य यजमान प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा सिर में व्यासपीठ लेकर कलश यात्रा की अगुवाई कर रहे थे। दिव्यता और अलौकिक दृश्य से सभी रोमांचित हो रहे थे। कलश यात्रा नौकीनिहा तालाब से पवित्र जल लेकर शिव मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद निकली और नवनिर्मित राधा-कृष्ण धाम परिसर कथास्थल पर पहुंची। कलश यात्रा पूर्ण होने के बाद कथास्थल में व्यासपीठ की स्थापना करने के बाद हवन-पूजन प्रारंभ हुआ और दूसरे दिन प्राण प्रतिष्ठा की गई।



कार्यक्रम के अंतिम दिन विशाल भोग भंडारा में हजारों लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन आषाढ़ शुक्ल षष्ठी 20 जुलाई को भी भगवान जगन्नाथ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हवन पूजन, महाआरती का आयोजन किया गया और पूजन सम्पन्न होने के बाद परिसर में विशाल भोग भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश भर से आए धर्मानुरागियों ने भोग प्रसाद ग्रहण कर धन्य हुए और भगवान राधा-कृष्ण धाम का दिव्य दर्शन कर पूण्य लाभ प्राप्त किया।

प्रशांत मिश्रा ने क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना की और आभार जताया



मुख्य यजमान के रूप में प्रशांत मिश्रा-श्रीमती अनामिका मिश्रा ने प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने के बाद अपने आराध्य देव भगवान राधा-कृष्ण और श्रीगणेश की पूजा-अर्चना की और सपत्नीक क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा और प्रदेश में अमन चैन, सद्भाव तथा विश्व में शांति के लिए कामना की।

तीन दिवसीय इस अलौकिक दिव्य समारोह की सफलता में धर्मानुरागियों की सहभागिता रही, प्रशांत मिश्रा ने सभी का आभार जताया। तीन दिवसीय समारोह को जिनका सानिध्य मिला, उन आचार्यों एवं पंडितों का भी आभार जताया, जिनकी विद्वता से यह समारोह भव्य और अलौकिक बन सका। दूर दराज



शिव-पार्वती की कृपा से कैसे मिला भक्त के अल्पायु पुत्र को नया जीवन ?

30 जुलाई से सावन माह का शुभारंभ हो चुका है. भगवान शिव को समर्पित यह पावन महीना भक्तों के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि सावन के प्रत्येक सोमवार का व्रत रखने, विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करने और व्रत कथा का श्रद्धापूर्वक पाठ करने से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. आइए सावन माह के इस पावन अवसर पर पढ़ें सावन सोमवार की यह पौराणिक व्रत कथा, जो अटूट भक्ति, अडिग विश्वास और भगवान शिव की असीम कृपा का संदेश देती है.

पौराणिक कथा
सेठ की भक्ति और पुत्र प्राप्ति की कामना
प्राचीन समय में अमरपुर नामक नगर में एक अत्यंत धनी सेठ रहता था. उसका व्यापार दूर-दूर तक फैला हुआ था और समाज में उसका बड़ा मान-सम्मान था. अपार धन-संपत्ति होने के बावजूद वह मन ही मन दुखी रहता था, क्योंकि उसकी कोई संतान नहीं थी. उसे हमेशा इस बात की चिंता सताती रहती थी कि उसके बाद उसके व्यापार और संपत्ति का उत्तराधिकारी कौन होगा. पुत्र प्राप्ति की कामना से वह प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव का व्रत रखता था. सारांशकाल वह शिव मंदिर जाकर घी की दीपक जलाता और पूरे श्रद्धाभाव से भोलेनाथ की आराधना करता था.

माता पार्वती का आग्रह और भगवान शिव का वरदान
व्यापारी की निष्काम भक्ति देखकर एक दिन माता पार्वती ने भगवान शिव से कहा, ‘हे प्राणनाथ! यह व्यापारी आपका अनन्य भक्त है. वर्षों से श्रद्धापूर्वक सोमवार का व्रत और पूजन कर रहा है. इसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण कीजिए.’ भगवान शिव ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, ‘हे पार्वती! इस संसार में प्रत्येक प्राणी को उसके कर्मों के अनुसार ही फल प्राप्त होता है. ‘ लेकिन माता पार्वती ने पुनः आग्रह किया. तब भगवान शिव बोले, ‘मैं इसे पुत्र-प्राप्ति का वरदान देता हूँ, किंतु इसका पुत्र केवल 16 वर्ष की आयु तक ही जीवित रहेगा. ‘उसी रात भगवान शिव ने व्यापारी को स्वप्न में दर्शन देकर पुत्र-प्राप्ति का वरदान और उसके पुत्र की अल्पायु का रहस्य बता दिया.

बालक अमर का जन्म
समय आने पर व्यापारी के घर एक सुंदर पुत्र का जन्म हुआ. विद्वान ब्राह्मणों ने उसका नाम ‘अमर’ रखा. पुत्र जन्म से व्यापारी अत्यंत प्रसन्न हुआ, लेकिन पुत्र की अल्पायु का रहस्य जानने के कारण वह भीतर ही भीतर चिंतित रहता था. उसने यह बात अपने परिवार के किसी सदस्य को नहीं बताई.
जब अमर 12 वर्ष का हुआ, तब उसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए वाराणसी भेजने का निर्णय लिया गया. व्यापारी ने अमर के मामा दीपचंद को उसके साथ भेजा. यात्रा के दौरान वे जहाँ भी रुकते, वहाँ यज्ञ करवाते तथा ब्राह्मणों को भोजन और दान-दक्षिणा देते.

राजकुमारी चंद्रिका से विवाह और सत्य का संदेश
यात्रा के दौरान अमर और उसके मामा एक ऐसे नगर पहुँचे, जहाँ राजा की पुत्री राजकुमारी चंद्रिका का विवाह होने वाला था. लेकिन जिस राजकुमार से उसका विवाह तय हुआ था, वह एक आँख से काना था. बदनामी के भय से दूल्हे के पिता ने अमर को देखकर उसके मामा से अनुरोध किया कि कुछ समय के लिए अमर को दूल्हा बनाकर विवाह की रस्म पूरी करवा दी जाए. इसके बदले उसने उन्हें पर्याप्त धन देने का वचन दिया.
मामा के सहमत होने पर अमर का विवाह राजकुमारी चंद्रिका से करा दिया गया. किंतु अमर सत्यवादी और ईमानदार था. विदा होने से पहले उसने राजकुमारी की ओढ़नी पर लिख दिया ‘राजकुमारी चंद्रिका, तुम्हारा विवाह मेरे साथ हुआ है, लेकिन मैं शिक्षा प्राप्त करने वाराणसी जा रहा हूँ. जिस युवक



के साथ तुम्हें भेजा जा रहा है, वह वास्तविक वर नहीं है और एक आंख से काना है.’ जब राजकुमारी ने यह संदेश पढ़ा, तो उसने उस युवक के साथ जाने से स्पष्ट इंकार कर दिया. राजा ने पूरी सच्चाई जानने के बाद अपनी पुत्री को महल में ही रोक लिया.

16वें वर्ष में संकट और जीवनदान
अमर वाराणसी पहुँचकर गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त करने लगा. जब उसकी आयु 16 वर्ष पूरी हुई, तब उसने एक विशाल यज्ञ का आयोजन कराया और ब्राह्मणों को अन्न, वस्त्र तथा दक्षिणा का दान दिया.रात्रि में जब वह विश्राम करने गया, तभी भगवान शिव के वरदान के अनुसार शयनावस्था में ही उसके प्राण निकल गए.

सुबह जब उसके मामा ने अमर को मृत देखा, तो वे विलाप करने लगे. उसी समय भगवान शिव और माता पार्वती अदृश्य रूप में वहां से गुजर रहे थे. माता पार्वती से मामा का विलाप देखा नहीं गया. उन्होंने भगवान शिव से अमर को पुनर्जीवित करने की प्रार्थना की. भगवान शिव ने कहा, ‘पार्वती! यह उसी व्यापारी का पुत्र है, जिसकी आयु मैंने 16 वर्ष निर्धारित की थी.

माता पार्वती ने पुनः विनती करते हुए कहा, ‘हे नाथ! इसके पिता वर्षों से श्रद्धापूर्वक आपका सोमवार व्रत कर रहे हैं. यदि यह बालक जीवित नहीं हुआ, तो उसके माता-पिता भी शोक में प्राण त्याग देंगे. कृपया इसे जीवनदान दें.’ माता पार्वती के करुण आग्रह से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने अमर को पुनर्जीवित कर दिया. अमर तुरंत उठकर बैठ गया.

घर वापसी और शिव कृपा का फल
शिक्षा पूर्ण होने के बाद अमर अपने मामा के साथ घर लौटने लगा. मार्ग में वे उसी नगर पहुँचे, जहाँ अमर का विवाह हुआ था. राजा ने अमर को पहचान लिया और अत्यंत सम्मान के साथ अपनी पुत्री चंद्रिका का विधिवत विदा कर दिया. साथ ही उसने धन-धान्य और सैनिक भी उनके साथ भेजे.
उधर अमरपुर में व्यापारी और उसकी पत्नी ने संकल्प लिया था कि यदि पुत्र की मृत्यु का समाचार मिला, तो वे भी अपने प्राण त्याग देंगे. लेकिन जब उन्हें अमर के सकुशल लौटने और उसके विवाह का समाचार मिला, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा. उसी रात भगवान शिव ने व्यापारी को स्वप्न में दर्शन देकर कहा, ‘हे श्रेष्ठी! तुम्हारे नियमपूर्वक सोमवार व्रत रखने और श्रद्धापूर्वक कथा सुनने से मैं अत्यंत प्रसन्न हूँ. इसी कारण मैंने तुम्हारे पुत्र को दीर्घायु का वरदान प्रदान किया है. ‘



आए दिन रकुल प्रीत सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने फिर से येलो साड़ी में तस्वीरें शेयर की हैं। इस साड़ी में रकुल की खूबसूरती झलक कर सामने आ रही है।



Spider-Man Brand New Day: भारत में फिल्म ने कमाए 131 करोड़ रुपये

टॉम हॉलैंड और जेंडया अभिनीत फिल्म स्पाइडर-मैन ब्रांड न्यू डे ने भारत में रिलीज के दो दिनों में कुल 131.46 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। यह फिल्म मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स की

38वीं फिल्म है जो देश में विभिन्न भाषाओं में रिलीज हुई है। फिल्म, जिसका निर्देशन डेस्टिन डेनियल क्रेटन ने किया है, भारत में गुरुवार को अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और

मलयालम में 2डी और 3डी दोनों प्रारूपों में रिलीज हुई। इसमें हॉलैंड पीटर पार्कर/स्पाइडर-मैन के रूप में हैं, साथ ही जेंडया, जैकब बैटलोन और सेडी सिंक भी हैं। शब्दकोश और विश्वकोश



उनकी समस्याएं सुनीं और जरूरत का सामान वितरित किया। इस दौरान अनन्या ने कहा कि आपदा के समय केवल राहत सामग्री पहुंचाना ही नहीं, बल्कि लोगों के साथ खड़े होकर उनका हौसला बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। एजेंसी।



स्किन की सफाई करने के लिए आप बेसन को एक प्राकृतिक क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दो चम्मच बेसन लें। अब इसमें थोड़ा दूध या गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से मसाज करें। करीबन 2-3 मिनट बाद पानी से धो लें।

बेसन एक ऐसा फूड इंग्रीडिएंट है, जो हर भारतीय किचन में मौजूद होता ही है। अमूमन लोग इसकी मदद से तरह-तरह की डिश बनाते हैं, लेकिन यह स्किन के लिए भी बहुत अधिक फायदेमंद माना गया है। बेसन की मदद से फेस पैक तो हम सभी ने कभी ना कभी जरूर लगाया है। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर बार बेसन से फेस पैक ही बनाया जाए।

बेसन की खासियत यह है कि यह त्वचा की गंदगी हटाने, अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने और त्वचा को

बेसन के ये ब्यूटी सीक्रेट्स आपकी स्किनकेयर रूटीन बदल देंगे

मुलायम बनाने में मदद कर सकता है। इसलिए, आप इसे अपने नियमित स्किनकेयर का एक नेचुरल हिस्सा बना सकते हैं। हालांकि, अगर आपकी स्किन बहुत संवेदनशील है या आपको एलर्जी है, तो पहले पैच टेस्ट जरूर करें।

प्राकृतिक क्लींजर की तरह करें इस्तेमाल

स्किन की सफाई करने के लिए आप बेसन को एक प्राकृतिक क्लींजर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले दो चम्मच बेसन लें। अब इसमें थोड़ा दूध या गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। चेहरे और गर्दन पर हल्के हाथों से मसाज करें। करीबन 2-3 मिनट बाद पानी से धो लें।

डेड स्किन हटाने के लिए करें एक्सफोलिएट

अपनी स्किन की केयर करने के लिए आपको हर बार महंगे स्क्रब का

इस्तेमाल करने की रूरत नहीं है। इसे एक हल्के एक्सफोलिएटर के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। स्किन को एक्सफोलिएट करने के लिए बेसन में थोड़ा सा ओट्स पाउडर और दही मिलाएं। अब चेहरे पर हल्के गोलाकार मूवमेंट में मसाज करें और 1-2 मिनट बाद धो लें। हालांकि, इसे सप्ताह में बस 1 से 2 बार ही इस्तेमाल करें।

टैन हटाने के लिए करें इस्तेमाल
अगर आप धूप में लंबे समय तक रहते हैं, तो ऐसे में टैनिंग को कम करने के लिए बेसन का उपयोग किया जा सकता है। टैनिंग कम करने के लिए आप बेसन में दही व एक चुटकी हल्दी डालकर मिक्स करें। इसे सप्ताह में 2 बार लगाएं। हालांकि, याद रखें कि यह सनस्क्रीन का विकल्प नहीं है। टैनिंग से बचने के लिए हमेशा एसपीएफ वाला सनस्क्रीन जरूर लगाएं। मिताली जैन (एजेंसी)



रात में सोने से पहले अपनाएं ये Night Routine, सुबह चेहरे पर आएगा Natural Glow

घर से बाहर निकलने से पहले आप स्किन की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखती हैं। लेकिन अक्सर लोग रात को स्किन केयर करना नजअंदाज कर देते हैं। इससे स्किन में रूखापन, खिंचाव, कालापन और टैन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रात में स्किन केयर रूटीन कैसा होना चाहिए।

बेड टाइम रूटीन
रात में स्किन खुद को रिपेयर करती है। ऐसे में अगर रात को स्किन केयर सही से किया जाए, तो आली सुबह आपकी स्किन ग्लोइंग और तरोताजा लगेगी।

क्लीजिंग
रात को घर वापसी के बाद बार-बार पानी से फेस धोने से चेहरा और खराब हो जाता है। इसलिए पानी से मुंह धोने के बाद हल्के क्लींजर से फेस को साफ करें। इससे स्किन की साफ रहेगी और ड्राई भी नहीं रहेगी।

टोनिंग
कई महिलाएं टोनिंग को नॉर्मल मानती हैं। लेकिन रात को टोनर का इस्तेमाल करने से स्किन पोर्ट टाइट होते हैं, स्किन फ्रेश रहती है और ऑयल कंट्रोल होता है।

मॉइश्चराइजर
सुबह की तरह रात को सोने से पहले मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करना चाहिए। कई लोग गर्मियों में मॉइश्चराइजर को स्किप कर देते हैं, क्योंकि पसीना आता है। लेकिन स्किन को हर मौसम में हाइड्रेशन चाहिए होता है। इसलिए लाइट और नान-ग्रीसी वाला मॉइश्चराइजर इस्तेमाल कर सकती हैं।

बेड टाइम स्किन केयर
स्किन केयर का मतलब सिर्फ ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से नहीं होता है। इसमें नियमित रूप से स्किन की देखभाल करना, सही डाइट लेना, हाइड्रेट रहना और स्किन केयर के समय-समय निकालना ही मूल मंत्र है। इसलिए प्रयास करें कि फेस पर घरेलू प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल ज्यादा करें। इससे आपके फेस को ठंडक मिलेगी और नेचुरल ग्लो आएगा।

गर्म मौसम में स्किन केयर
गर्म मौसम में पके केले या तरबूज में दूध पाउडर और शहद मिलाकर फेस पर अप्लाई करें। इससे स्किन पर नमी आएगी और बेजान चेहरा फिर से खिल उठेगा।

टमाटर के रस में ओटमील मिलाकर फेस पर लगाएं। इससे स्किन के पोर्स टाइट होते हैं और डेड स्किन हटती है।

फेस पर आलू या खीरे की स्लाइस रगड़ने से स्किन को ठंडक मिलती है और ग्लो वापस आता है। मुलतानी मिट्टी, चंदन पाउडर और चने के आटे को एक साथ मिलाकर फेस पैक बना लें। फिर इससे चेहरे को साफ करें। इस फेस पैक को लगाने से एक्स्ट्रा ऑयल कंट्रोल होता है। अनन्या मिश्रा (एजेंसी)।

वेदांता एल्युमिनियम का मुनाफा 205 प्रतिशत बढ़कर रु. 6,597 करोड़, एबिटडा 134% बढ़कर रु.10,499 करोड़

मुंबई/बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमिनियम मेटल लिमिटेड (बीएसई: 544780 और एनएसई: वीएमएमएल) ने 30 जून 2026 को समाप्त तिमाही के अपने वित्तीय नतीजों की घोषणा की। एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में अपनी पहली तिमाही में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी के बोर्ड ने रु.8 प्रति शेयर के पहले अंतरिम लाभांश को भी मंजूरी दी है।

कंपनी की आय बढ़कर अब तक के सबसे अधिक रु.21,105 करोड़ हो गई, जो पिछली तिमाही की तुलना में 13 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक है। यह बढ़ोतरी बिक्री की मात्रा और बेहतर कीमत मिलने के कारण हुई। कंपनी का एबिटडा बढ़कर रिकॉर्ड रु.10,499 करोड़ हो गया, जो पिछली तिमाही की तुलना में 24 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 134 प्रतिशत अधिक है। लागत पर बेहतर नियंत्रण के कारण कंपनी का एबिटडा मार्जिन भी बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 50 प्रतिशत पर पहुंच गया। कंपनी का मुनाफा रु.6,597 करोड़ रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 33 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 205 प्रतिशत अधिक है। यह कंपनी के मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। कंपनी ने कर्ज कम करके अपनी वित्तीय स्थिति को और मजबूत किया है। नेट डेट-टू-एबिटडा अनुपात वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 1.3 गुना से सुधरकर 0.9 गुना हो गया। लगातार अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए, क्रिसिल और आईसीआरए दोनों ने वेदांता एल्युमिनियम की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाकर एए प्लस (स्टेबल) कर दी है। कंपनी का एल्युमिनियम उत्पादन बढ़कर अब तक के सबसे अधिक 632 किलो टन रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 3 प्रतिशत और पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स (वीएपी) का उत्पादन भी बढ़कर अब तक के सबसे



एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में हमारी पहली तिमाही की शुरुआत मजबूत रही-अनुप अग्रवाल

वेदांता एल्युमिनियम के मुख्य वित्त अधिकारी अनुप अग्रवाल ने कहा, 'एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में हमारी पहली तिमाही की शुरुआत मजबूत रही। कंपनी ने रु.21,105 करोड़ की रिकॉर्ड आय, रु.10,499 करोड़ का एबिटडा और रु.6,597 करोड़ का पीएटी दर्ज किया। हम मजबूत वित्तीय स्थिति, बेहतर बैलेंस शीट और बेहतर क्रेडिट रेटिंग के साथ इस नए चरण में आगे बढ़ रहे हैं। इससे हमें अपनी रणनीतिक विकास योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए अधिक लचीलापन मिलेगा। दुनिया की प्रमुख एल्युमिनियम उत्पादक कंपनियों में से एक के रूप में, हम अपनी एकीकृत उत्पादन श्रृंखला और लगातार बढ़ते वैल्यू-एडेड उत्पादों के माध्यम से भारत और वैश्विक बाजारों में ऊर्जा बदलाव, बुनियादी ढांचे, परिवहन, पैकेजिंग और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती मांग को पूरा करने का लक्ष्य रखते हैं।

भविष्य की सोच का परिणाम - सीईओ राजेश कुमार

कंपनी के पहली तिमाही के प्रदर्शन पर बात करते हुए, वेदांता एल्युमिनियम के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ राजेश कुमार ने कहा, 'एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में हमने इस तिमाही में मजबूत परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन के साथ अपनी नई शुरुआत की है। यह हमारे मजबूत कामकाज, योजनाओं को सही तरीके से लागू करने और भविष्य की सोच का परिणाम है। बदलते वैश्विक माहौल में कच्चे माल की सुरक्षित उपलब्धता, कामकाज को बेहतर बनाने और अधिक मूल्य वाले उत्पादों पर हमारा ध्यान हमारी प्रतिस्पर्धी स्थिति को मजबूत कर रहा है। इससे हमें लगातार और लंबे समय तक विकास करने में भी मदद मिल रही है। इन प्रयासों के जरिए हम भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार एक मजबूत कंपनी बना रहे हैं। साथ ही, हम अपने सभी हितधारकों के लिए लंबे समय तक बेहतर मूल्य बनाने, लागत को कम रखने और वैश्विक स्तर पर एक मजबूत एल्युमिनियम कारोबार तैयार करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

रिफाइनिंग क्षमता बढ़ाने और संयंत्रों के बेहतर उपयोग के कारण पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। भारत की सबसे बड़ी एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी के रूप में, वेदांता

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में ईएसजी की प्रमुख उपलब्धियां

समुदायों का विकास - सामाजिक पहल
वेदांता एल्युमिनियम ने जरूरत के अनुसार किए गए सीएसआर कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 4 लाख लोगों तक मदद पहुंचाई। कौशल विकास पहलों के जरिए 72,000 लोगों को सशक्त बनाया और विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से 27 लाख महिलाओं और बच्चों को सहयोग दिया।
पर्यावरण के लिए पहल - प्रमुख उपलब्धियां
स्वच्छ ऊर्जा -
वेदांता एल्युमिनियम द्वारा इस्तेमाल की गई नवीकरणीय ऊर्जा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत बढ़कर 70.1 करोड़ यूनिट हो गई। इससे कार्बन उत्सर्जन कम करने के प्रयासों को मदद मिली। नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग और ऊर्जा बचाने के उपायों से कंपनी के ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में पिछले साल की तुलना में लगभग 3 प्रतिशत की कमी आई। यह वित्त वर्ष 2021 की तुलना में 11.6 प्रतिशत कम है।
जल संरक्षण-
झकंपनी ने लगभग 49 लाख घन मीटर पानी का दोबारा उपयोग किया। साथ ही, पानी को फिर से इस्तेमाल करने, उसे दोबारा उपयोग में लाने और अन्य जल स्रोतों का उपयोग करके ताजे पानी की खपत कम की।
कचरे से उपयोगी संसाधन-
कंपनी ने 120 प्रतिशत फ्लाई ऐश का उपयोग किया, जिसमें पहले से जमा फ्लाई ऐश भी शामिल है। साथ ही, रेड-टू-ग्रीन पहल के तहत

रेड मड का दोबारा उपयोग बढ़ाया।
जैव विविधता संरक्षण-
कंपनी ने स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाने और खदान क्षेत्रों को फिर से बेहतर बनाने पर ध्यान देते हुए जैव विविधता से जुड़ी अपनी पहलें आगे बढ़ाईं। अब तक कंपनी ने कुल 29 लाख पेड़ लगाए हैं।
कार्यस्थल को बेहतर बनाना - कर्मचारियों से जुड़ी प्रमुख उपलब्धियां-
वेदांता एल्युमिनियम ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के दौरान कार्यस्थल पर सुरक्षा को और मजबूत किया। वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही की तुलना में कंपनी के सुरक्षा प्रदर्शन में सुधार हुआ। इस दौरान काम के दौरान होने वाली ऐसी चोटों की संख्या में कमी आई, जिनके कारण कर्मचारियों को काम से छुट्टी लेनी पड़ी। साथ ही, ऐसी चोटों की दर में भी सुधार हुआ।
कंपनी ने वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यस्थलों पर अधिक दौरे, नियमित सुरक्षा चर्चा, महत्वपूर्ण जोखिमों के प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्था और हर कार्यस्थल की जरूरत के अनुसार किए गए उपायों के माध्यम से कार्यस्थल की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। कंपनी ने कार्यस्थल पर सभी के लिए बेहतर अवसर बढ़ाने के लिए 21 प्रतिशत लैंगिक विविधता बनाए रखी और एलजीबीटीक्यू प्लस कर्मचारियों की संख्या बढ़ाकर 35 से अधिक की। इससे कार्यस्थल को अधिक समावेशी और भविष्य की जरूरतों के लिए तैयार बनाने में मदद मिली।

एल्युमिनियम दुनिया के सबसे मजबूत और प्रतिस्पर्धी, पूरी तरह से एकीकृत एल्युमिनियम कारोबारों में से एक बनाने की दिशा में काम कर रही

है। इसके लिए कंपनी कच्चे माल की नियमित और सुरक्षित उपलब्धता को लगातार मजबूत कर रही है।
फोटो - एआई



बालको के माध्यम से क्षेत्र का हो रहा सर्वांगीण विकास : कैबिनेट मंत्री देवांगन

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने स्थानीय समुदाय को समर्पित चिल्ड्रेंस पार्क का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन तथा विशिष्ट अतिथि कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत ने फीता काटकर पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बालको के मुख्य कॉर्पोरेट ऑफेयर्स एवं प्रशासन अधिकारी कैप्टन धनंजय मिश्रा, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

लगभग 13,000 वर्ग फुट में विकसित यह पार्क पहले एक अनुपयोगी एवं कचरा-प्रभावित क्षेत्र था, जिसे विकसित कर बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित और आधुनिक सामुदायिक स्थल के रूप में परिवर्तित किया गया है। पार्क में बच्चों के लिए झूले, ओपन जिम, एक्स्प्रेसर पाथवे, हरित लॉन तथा परिसर की सुंदरता बढ़ाने के लिए अरेका पाम का रोपण किया गया है। पार्क के रखरखाव को पर्यावरण-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से सौर ऊर्जा संचालित जल आपूर्ति प्रणाली भी स्थापित की गई है। लोकार्पण के पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने पार्क का भ्रमण कर बच्चों के खेल उपकरण, ओपन जिम, एक्स्प्रेसर पाथवे, हरित लॉन तथा अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। साथ ही समुदाय के लिए विकसित इस जनहितकारी पहल की सराहना की। मुख्य अतिथि लखन लाल देवांगन ने कहा, 'बालको के माध्यम से क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सड़क, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक भवन, नाली निर्माण सहित अनेक विकास कार्यों के माध्यम से कंपनी क्षेत्र की उन्नति और तरक्की में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। कोरबा

में औद्योगिक विकास के कारण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।'
विशिष्ट अतिथि श्रीमती संजू देवी राजपूत ने कहा, 'बालको निरंतर क्षेत्र के विकास को नई गति दे रहा है। सामुदायिक भवन, आधुनिक पार्क, सड़क निर्माण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास में कंपनी का महत्वपूर्ण योगदान है। कंपनी द्वारा किए गए कार्य क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं। इस अवसर पर परसाभाठ के पार्षद बद्री किरण ने चिल्ड्रेंस पार्क को लेकर बालको के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बालको आसपास के क्षेत्रों में निरंतर जनहितकारी कार्य कर रहा है। उन्नति परियोजना के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा मशरूम उत्पादन, कोसाकारी सहित विभिन्न आजीविका कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कंपनी स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ आंगनवाड़ी एवं विद्यालयों के उन्नयन में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने नागरिकों से पार्क को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि यह सामुदायिक संपत्ति है और इसकी देखभाल हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। यह पहल समुदाय के लिए बेहतर सार्वजनिक सुविधाएँ उपलब्ध कराने तथा स्वस्थ एवं बेहतर जीवनशैली को प्रोत्साहित करने की दिशा में बालको की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हाल के महीनों में कंपनी ने सामुदायिक भवन, सड़क, पार्क एवं अन्य आधारभूत संरचना विकास परियोजनाओं को पूर्ण कर स्थानीय प्रशासन एवं समुदाय को समर्पित किया है। इन पहलों के माध्यम से बालको आसपास के क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार तथा सतत एवं समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

15 हजार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के ऐतिहासिक पड़ाव की ओर वेदांता स्किल स्कूल

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने विश्व युवा कौशल दिवस 2026 के अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल के 15 वर्षों की उपलब्धियों का उत्सव मनाया। आयोजित कार्यक्रम में कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ने की उपलब्धियों को साझा किया गया। इस वर्ष विश्व युवा कौशल दिवस की थीम 'साझा भविष्य के लिए कौशल' है। कार्यक्रम में बालको के वरिष्ठ अधिकारी, समुदाय के प्रतिनिधि, पूर्व प्रशिक्षु, वर्तमान प्रशिक्षु और सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विश्व युवा कौशल दिवस के उपलक्ष्य में स्किल स्कूल द्वारा सप्ताह भर विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वाद-विवाद, कविता लेखन, पोस्टर मेकिंग, इंडोर खेल और एआई वीडियो निर्माण जैसी कार्यों के माध्यम से युवाओं को अपनी रचनात्मकता, तार्किक सोच, संवाद क्षमता और डिजिटल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। समारोह में प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति की झलक पेश की। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण वेदांता स्किल स्कूल के एक पूर्व प्रशिक्षु की वास्तविक जीवन यात्रा पर आधारित नाट्य प्रस्तुति रही। प्रस्तुति में दिखाया गया कि किस प्रकार कौशल प्रशिक्षण ने एक युवा के जीवन को नई दिशा देते हुए उसके लिए रोजगार और बेहतर भविष्य के अवसर तैयार किए। प्रशिक्षुओं के सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, पूर्व प्रशिक्षुओं की सफलता की कहानियों और तकनीकी कौशल प्रदर्शन के साथ आयोजित



समारोह ने कौशल विकास के 15 वर्षों की यात्रा को यादगार बनाया। इस अवसर पर वेल्डर और मोबाइल रिपेयरिंग ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त 40 से अधिक युवाओं को प्लेसमेंट प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। वहीं इस अवसर पर वेदांता स्किल स्कूल में पीएम सूर्य घर सर्टिफिकेशन एंड स्किल अपग्रेडेशन कोर्स फॉर सोलर पीवी टेक्नीशियन की शुरुआत की गई। कार्यक्रम के तहत 100 सोलर पीवी टेक्नीशियन को एक सप्ताह का कौशल उन्नयन एवं प्रमाणन प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशिक्षण के दौरान 3,500 रुपये का भत्ता भी प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2010 में स्थापित वेदांता स्किल स्कूल पिछले 15 वर्षों से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान कर रहा है। अब तक 14 हजार से अधिक युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं और इस वर्ष स्कूल 15 हजार युवाओं के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल करने की ओर अग्रसर है। यहां वेल्डिंग, इलेक्ट्रिकल, फिटर, सिलाई मशीन संचालन, फूड एंड बेवरेज सर्विस तथा सोलर पीवी इंस्टॉलेशन जैसे रोजगारपरक ट्रेड में प्रशिक्षण दिया जाता है। एनएसडीसी से मान्यता प्राप्त 5-स्टार स्मार्ट सेंटर युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रदान कर रहा है। बालको अपने कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को



बेहतर भविष्य के लिए युवाओं को कर रहे तैयार - सीईओ

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, 'पिछले 15 वर्षों से वेदांता स्किल स्कूल युवाओं को रोजगार से जुड़े कौशल सिखाकर उन्हें बेहतर भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। हमारा उद्देश्य युवाओं को ऐसा प्रशिक्षण देना है, जिससे वे बदलती उद्योगों की जरूरतों के अनुसार अपने कौशल को विकसित कर सकें। व्यावहारिक प्रशिक्षण और आत्मविश्वास के साथ युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं और उनके लिए रोजगार व आजीविका के नए अवसर खुल रहे हैं। इसी प्रयास के माध्यम से हम समुदायों की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

आत्मनिर्भर बनाने तथा समावेशी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।